एस॰ एस॰ कॉलेज जमालपुर
विभाग - हिन्दी
विषय :- हिन्दी रत्ना पत्र
वर्ग - स्नातक भाग - 1
शिक्षण माध्यम - पार्ट्स - एप
समय - 11 बजे से 12 बजे तक, 21.9.20
शिक्षक - डॉ. रमेश शर्मा
पाठ - पत्र लेखन

प्रिय छात्र - छात्राएँ !

पिछली कक्षा में हमलोग सामाजिक पत्रलेखन पर चर्चा कर रहे थे। सरकारी पत्रों की अपेक्षा सामाजिक पत्रों में कलात्मकता अधिक रहती है, क्योंकि इसमें मनुष्य के उद्‌गार व्यक्त होते हैं। इन पत्रों को पढ़कर हम किसी भी व्यक्ति के अच्छे या बुरे स्वभाव या मनोवृत्ति का परिचय आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। खासकर वैयक्तिक पत्रों में यह विशेषता पायी जाती है।

एक अच्छे सामाजिक पत्र में सौजन्य, सहृदयता और शिष्टता होना आवश्यक है। तभी इस प्रकार के पत्रों का हृदय पर प्रभाव पड़ता है। इसके लिए कुछ औपचारिक नियमों का उल्लेख करना आवश्यक है। पहली बात यह कि पत्र के ऊपर दाहिनी ओर पत्र-प्रेषक का पता और दिनांक होना चाहिए।

दूसरी बात यह कि पत्र जिस व्यक्ति को लिखा जा रहा हो, उसके प्रति समुचित अभिवादन या सम्बोधन सम्बन्ध के अनुसार लिखना चाहिए। यह पत्र प्रेषक और पत्र-प्रेषित के सम्बन्ध पर निर्भर है कि अभिवादन का प्रयोग कहाँ, किसके लिए और किस तरह किया जाय। पिता के पत्र लिखते समय हम प्रायः 'पूज्य पिता जी' लिखते हैं, शिक्षक या गुरुजनों को पत्र लिखते समय 'आदरणीय' का सम्मानजनक प्रयोग करते हैं;

या 'श्रद्धेय' का प्रयोग करते हैं। यह सब अपने देश, समाज संस्कृति के अनुसार चलता है। प्राय: यह भी देखा जाता है कि आदर, सम्मान देने हेतु हम व्याकरण की भूलें कर बैठते हैं। जैसे- पूज्य की जगह पूज्यवर लिख देते हैं। शुद्ध होगा पूज्यवर या पूजनीया माता जी, पूज्यनीया नहीं। एक ही विशेषण का प्रयोग करना चाहिए चाहे आप पूज्य लिखें जिसका अर्थ है- पूजा करने लायक और पूज्यवर लिख देने से एक ही अर्थ के लिए दो विशेषणों का प्रयोग हो जाता है। यह संकेत इसलिए मैंने दिया कि प्राय: अति आदर करने के प्रयास में ऐसी भूलें कर दी जाती हैं।

अपने से छोटे के लिए सम्बोधन में हम प्राय: प्रियवर या चिरंजीव जैसे शब्दों का प्रयोग करते हैं। अपने समानान्तर या बराबरी वाले मित्रों के यहाँ प्रिय या मित्रवर का प्रयोग करते हैं। ध्यान रखनेवाली बात यह भी है कि सम्बोधन के अनुसार ही अभिवादन का प्रयोग किया जाता है। (जैसे पिताजी के लिए - चरण स्पर्श, गुरुजनों के लिए चरण वन्दन, छोटे के लिए सस्नेह आदि)

शेष अगली कक्षा में।

[illegible]

21.9.20.